श्याम की होरी के रंग में रंगना है | Neha Khambia

थारी ही लगनिया में लगना है
थारी भक्ति रंग में बाबा घुलना है
श्याम की होरी के रंग में रंगना है
श्याम की होरी के रंग में रंगना है

भक्ति की पिचकारी से मैं बाबा रंग लगाऊं
तेरे नाम की मैं बाबा जोगन हो जाऊं
घर की आंगनिया में बाबा हर दम तुझे बुलाऊँ
दिल की नगरी में बाबा तेरा दरबार लगाऊं
नाम तो तेरा ही बाबा जपना है
तेरी ही माला मुझे रटना है
श्याम की होरी के रंग में रंगना है
श्याम की होरी के रंग में रंगना है

फागुन के महीने में आया खाटू का मेला
भीड़ पड़ी भारी बाबा मेला है अलबेला
बाबा मेरा बड़ा दयालु झोली सबकी भरता
जो कर ले बस दिल से भक्ति सबके दु:ख को हरता
खाटू में आऊं यही सपना है
बाबा मेरा बस तू ही अपना है
श्याम की होरी के रंग में रंगना है
श्याम की होरी के रंग में रंगना है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b0%e0%a4%82/